हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 9 अक्टूबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

3 स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी

मण्डला। पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में मंडला पुलिस द्वारा स्थायी वारंटियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बीजाडाँडी को सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी निवास मार्गदर्शन में थाना बीजाडाँडी पुलिस ने लंबे समय से फरार 3 स्थायी वारंटियों को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आज दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को तीन फरार वारंटियों पकड़कर न्यायालय पेश किया। गिरफ्तार आरोपी में अनिल परस्ते, पिता चंदर परस्ते, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम मगरधा। अन्नीलाल, पिता परसराम, उम्र 55 वर्ष, निवासी ग्राम तरवानी। सूखा उर्फ सुखराम चरगुडिया, पिता छोटेलाल, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम डोभी। गिरफ्तारी दल में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पांडेय, स.उ.नि. अक्षय यादव, प्र.आर. जय पांडेय, आर. चैनसिंह कुलस्ते, महिला आर. सौदामिन लोधी, एवं चालक आर. विजय की सराहनीय भूमिका रही।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत जागरूकता सत्र का आयोजन

मण्डला। मिशन शक्ति अंतर्गत हब की गतिविधियां एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल घाघा, एकीकृत मा. शाला प्रेमपुर एवं एकीकृत शास. हाईस्कूल बाजा बोरिया में जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के तहत लिंग जांच करवाना एवं गर्भपात कराना कानून के विरूद्ध है इसके लिये सजा का प्रावधान है। इस प्रकार भ्रूण रूप में ही कन्या की हत्या करना कानूनी जुर्म है।

राधाराज आश्रम, महाराजपुर को उत्कृष्ट माँ नर्मदा सेवा पुरस्कार मिला

नि:स्वार्थ सेवा को मिला सम्मान

* पूरे प्रदेश में मिला तृतीय स्थान।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री ईश्वरानंद ब्रम्हचारी जी - श्री उत्तम स्वामी जी महाराज ने वर्ष 2021-22 में अपने 182 सह यात्रियों के साथ 160 दिनों में नर्मदा मैया की पैदल परिक्रमा करने के बाद परिक्रमा मार्ग में सेवा प्रकल्प परिक्रमावासियों के लिए शुरू किये हैं। अखिल भारतीय गुरू भक्त मंडल के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक जी ने समर्पण सेवा समिति, सलकनपुर के माध्यम से परिक्रमावासियों की सेवा में लगे सेवाकारियों के उत्साह वर्धन करने के लिये माननीय भगवतशरण माथुर जी की स्मृति में उत्कृष्ट माँ नर्मदा सेवा पुरस्कार शुरू किया हैं। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अलग-अलग आश्रम,व्यक्ति,संस्थाओं में से प्रथम - 1,01,000/- , द्वितीय - 51,000/-, तृतीय - 31,000/- राशि के चेक व प्रमाण पत्र दिये जायेंगे।

इस वर्ष 2025-26 का उत्कृष्ट माँ नर्मदा पुरस्कार में प्रथम स्थान-गौमुख आश्रम-टोकसर, जिला-खरगोन, संभाग-इंदौर , द्वितीय स्थान - श्री दादा दरबार आश्रम-बाबरी, जिला-नर्मदापुरम, संभाग-नर्मदापुरम, तृतीय स्थान-राधा राज आश्रम-महाराजपुर, जिला-मंडला, संभाग-जबलपुर को शरद पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम में उत्तम स्वामी जी, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, कैबिनेट मंत्री करण सिंह बर्मा, गौतम टैटवाल, राज्यमंत्री मोहन नागर, स्थानीय बुदनी विधायक रमाकांत भार्गव, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, माया नारोलिया, महेश उपाध्याय सलकनपुर मंदिर ट्रस्ट एवं कई और माननीय विधायकों की गरिमामयी उपस्थिति में आश्रम के प्रतिनिधियों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

मंडला शहर के लिये बडे ही गौरव का विषय हैं कि प्रदेश के 16 जिलों में 57 आवेदन आये, उनमें से राधा राज आश्रम, महाराजपुर, मंडला को तृतीय पुरस्कार हेतु चयन हुआ। राधाराज आश्रम प्रतिनिधि के रूप में एडवोकेट घनश्याम बर्मन जी को मंच से सम्मानित किया गया।

विद्याधर से विद्यासागर शरद पूर्णिमा में भव्य नाटिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

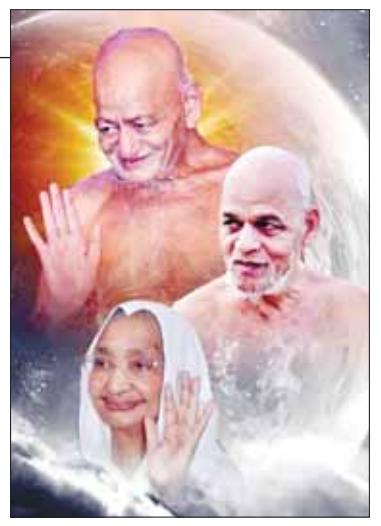

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जी मंडला में विराजमान संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या 105 आर्यिका मां विमल मति माता जी ससंघ विराजमान हैं। बाल ब्रह्मचारी अभय भैया जी और बाल ब्रह्मचारी राकेश भैया जी भी मंडला नगर के गौरव है जो हमेशा हर धार्मिक कार्य में तत्पर सहयोग करते रहते हैं। शरद पूर्णिमां के चांद हमारे आचार्य भगवंत श्री विद्यासागर जी महाराज और नवाचार्य शिरोमणि श्री समयसागर जी महाराज और आर्यिका मां गणिनी ज्ञानमति माता जी के उपकार अवतरण दिवस पर हमारी मंडला जैन समाज ने आर्यिका मां विमल मति माता जी ससंघ के सानिध्य में प्रातः अभिषेक पूजन आरती चरणों का पाद पक्षालन स्थापना का कार्यक्रम भव्य रूप में मनाया आर्शीवचन में माता जी द्वारा आचार्य भगवन के पूरे जीवन के व्यक्तित्व का परिचय देते हुए बताया कि विद्याधर बचपन से ही धर्म के प्रति बहुत लगनशील और उत्साहित थे गुरुओं की सेवा करना मंदिर जाना पढ़ाई में हमेशा अब्बल रहते थे छोटी सी उम्र में ही उन्होंने भक्तामर जी का पाठ याद करके अपनी मां पिता सुनाया और जब मुनि महाबल महाराज के दर्शन किए तो उनकी प्रेरणा से तत्वार्थ सूत्र का पाठ कंठस्थ याद करके उन्हें सुना दिया उन्होंने मुनि श्री के दर्शन किए और धीरे धीरे वैराग्य की भावना वढती गई। ऐसे ही आचार्य भगवन ने आचार्य गुरुवर ज्ञानसागर महाराज जी से दीक्षा ग्रहण कर विद्याधर से विद्यासागर बन गए और पूरा परिवार भी धर्ममार्ग की शिक्षा लेकर मोक्ष मार्ग पर लग गया। गुरुजी का हाइकू है गुरू कृपा से, वांसुरी बना मैं तो ,ठेठ वांस था हमें भी अपने जीवन में धर्म धारण कर जीवन में आगे बढकर अपना मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। मंडला जैन समाज की अध्यक्ष श्रीमति मीना जैन कु. श्रेया जैन ने सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया। समस्त महिला मंडल ने आनंद मेला लगाया और विद्याधर से विद्यासागर नाटिका का मंचन की सुंदर प्रस्तुति की बच्चों व बड़ों ने अपनी अपनी सहभागिता दी। समस्त पदाधिकारी कमेटियों ने मंदिर के नीचे भंडारा का आयोजन किया। रात्रि में 48 दीपकों से श्री भक्तामर जी का पाठ, महा आरती, भजन संध्या का आयोजन के साथ शरद पूर्णिमां का कार्यक्रम सानंद संपन्न हुआ।

फार्मासिस्ट का लाइसेंस आधार कार्ड सार्वजनिक करना होगा

मण्डला। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने दवा के थोक व्यापारी एवं दुकानों पर औचक निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीजे मोहंती ने बताया कि औचक निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती सोनल सिडाम के नेतृत्व में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कर प्रतिबंधित दवाएं बवसकतप ्लतपचए तमसपमिए तमेचपतिमेी किसी भी के यहां नहीं मिली। इसी क्रम में जिले के समस्त विकासखंडों में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम का गठन किया गया है, जो आगामी दिवसों में लगातार दवा के थोक व्यापारी एवं दवा दुकानों पर औचक निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही जो लोकल प्रैक्टिशनर हैं, उनके यहां भी यह औचक निरीक्षण सतत रूप से जारी रहेगा। शासन द्वारा एवं जिला प्रशासन से कलेक्टर द्वारा जो एडवाइजरी जारी की गई है, उसका पालन सभी मेडिकल प्रैक्टिशनर एवं दवा के व्यापारी आवश्यक रूप से करें। सभी दवा दुकानों पर दवा दुकान का लाइसेंस जिस फार्मासिस्ट के नाम पर है, उसकी उपस्थिति आवश्यक है। उसके निगरानी में ही दवाईयों को आने वाले मरीजों को दिया जाना है। संबंधित फार्मासिस्ट का लाइसेंस आधार कार्ड की कॉपी नाम एवं मोबाइल नंबर काउंटर पर आवश्यक रूप से प्रदर्शित करना भी सुनिश्चित करें। बिना दवा पर्चे के किसी को भी दवाई नहीं देंगे यह भी आवश्यक रूप से समस्त दवा व्यापारी सुनिश्चित करें। विभाग ने 5 साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप या अन्य ऐसी दवाओं से दूर रहने की सलाह दी है, जबकि 2 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए तो इसे पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिना डॉक्टर की सलाह के ऐसी दवाओं का इस्तेमाल घातक साबित हो सकता है। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर डीजे मोहंती, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर डीके मरकाम, जिला विस्तार एवं माध्यमिक अधिकारी डॉ. जयप्रकाश सिंह, अमोद श्रीवास और फार्मासिस्ट सौरभ चौरसिया उपस्थित रहे।

संपन्न हुआ कृषि सखियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र मण्डला में 50 कृषि सखियों का प्रशिक्षण दिनांक 04 से 08 अक्टूबर 2025 तक चला, प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कृषि सखियों को अपने उदमोदन में कहा कि जो तकनीकी प्रशिक्षण लेकर यहाँ से जा रही हो उसका खेत तक पहुँचाने का दायित्व आपका है और अपने दायित्वो का निरवहन इमानदारी से करना और जहाँ समस्या आये वहां वैज्ञानिको और अधिकारियों से पूछना और समस्या का समाधान करना, हम भी समय-समय पर कलस्टर में आयेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजा से हुआ। सरस्वती वंदना के बाद कृषि विज्ञान केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण प्रभारी डॉ.आर.पी. अहिरवार ने प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा की इस 5 दिवसीय प्रशिक्षण में एक दिन थ्योरी एक दिन प्रायोगिक कार्य कराया गया साथ ही ग्राम सिलपुरा में सैफविन परियोजना क्षेत्र का भ्रमण किया जहां पर संचालित किसान संसाधन केन्द्र (के.आर.सी.) को कृषि सखियों ने देखा और अनुभव प्राप्त किया साथ ही कृषक श्री मुन्नालाला मरावी, किशन उइके, सुनिता कररॉम एवं तुलसा परस्ते के प्रक्षेत्र पर चल रहे ट्रायल को देखा और समझा कि कितना अन्तर फसल में दिख रहा हैं जिस खेत में जीवामृत और लमित का प्रयोग किया गया है उन खेती की फसल बहुत अच्छी स्थिति में हैं कन्ट्रोल प्लॉट की तुलना में साथ ही जीवामृत, बीजमृत, दसपर्णी अर्क, लमित, और मछली खाद को भी देखा इसके अलावा हाट बाजार, गौशाला में कैसे गौ मूत्र एकत्रित करते हैं सीखा और समझा। उक्त प्रशिक्षण में प्राप्त गाइडलाइन के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया और प्रायोगिक कार्य को विशेष महत्व दिया गया केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.के.व्ही सहारे ने अपने उदमोदन में जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान समय में बीमारियां बहुत फैल रही है पर्यावरण एवं खेत की मृदा खराब होती जा रही हैं इसलिए भारत सरकार ने ध्यान केन्द्रित करते हुए प्राकृतिक खेती को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के रूप में योजना लेकर आये ताकी मृदा, पर्यावरण एवं लागत में कमी तथा स्वास्थ्य में सुधार हो सके।

गुरुकुल व गोशाला के लिए भूमि आवंटन की मांग

* मंत्री सम्पतिया उइके ने दिया आश्वासन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सनातन वैदिक गुरुकुल एवं गोशाला समिति जिलहरीघाट मंडला, आर्य समिति मंडला, आर्य वीरांगना दल मंडला, सनातन धर्मोत्सव समिति मंडला एवं क्षेत्रीय ग्रामवासियों ने मण्डला विधायक एवं केबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके को ज्ञापन सौंपकर गुरुकुल एवं गोशाला-विद्यालय के नवीन परिसर हेतु भूमि आवंटन की मांग की।

इस अवसर पर मंत्री सम्पतिया उइके ने आश्वस्त किया कि वे इस प्रस्ताव को मंत्रीमंडल में चर्चा के लिए प्रस्तुत करेंगी और भूमि आवंटन की दिशा में पूर्ण प्रयास करेंगी।

संस्थान के प्रमुख ने बताया कि गुरुकुल पिछले तीन वर्षों से मंडला जिले में सक्रिय रूप से वैदिक शिक्षा, शस्त्र-शास्त्र प्रशिक्षण एवं गौसेवा में योगदान दे रहा है। वर्तमान में यह एक प्राचीन शिव मंदिर परिसर में संचालित है, जहाँ 25 से 30 विद्यार्थी विभिन्न राज्यों से आकर अध्ययनरत हैं। साथ ही "माँ नर्मदा गौशाला" में लगभग 30 गौवंश का संरक्षण किया जा रहा है।

संस्थान के अनुसार, पुराना भवन अब जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है और पुनर्निर्माण आवश्यक हो गया है। गौशाला के लिए पशु आहार भंडारण, गोचर भूमि एवं हरे चारे की व्यवस्था हेतु पृथक स्थान की आवश्यकता है। प्रस्तावित योजना के अनुसार भूमि आवंटन के बाद संस्थान निम्नलिखित निर्माण कार्य करेगा-300 विद्यार्थियों के लिए पूर्ण सुविधायुक्त विद्यालय एवं छात्रावास। 50 आचार्यों हेतु आवास। 100 अतिथियों के लिए विश्रामगृह। व्यायामशाला, शस्त्र प्रशिक्षण मैदान एवं जैविक कृषि भूमि। 200 गौवंश की क्षमता वाली आधुनिक गौशाला। आयुर्वेद आधारित चिकित्सालय। पुस्तकालय, भंडारगृह, सभा एवं भोजन कक्ष।

संस्थान का कहना है कि यह भूमि आवंटन न केवल वैदिक परंपरा को नई संजीवनी देगा, बल्कि मण्डला जिले को एक आध्यात्मिक एवं शैक्षिक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित करेगा।

संस्थान प्रमुख ने कहा, माँ नर्मदा तट पर स्थित यह स्थल अत्यंत पवित्र है। यहाँ वैदिक गुरुकुल की स्थापना से आने वाली पीढ़ियाँ अपनी जड़ों से जुड़ेंगी और गौसंरक्षण को नया आयाम मिलेगा।

इस पहल को स्थानीय जनप्रतिनिधियों, संत समाज एवं क्षेत्रीय नागरिकों का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ है। अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक याचना पर कितनी शीघ्रता से सकारात्मक निर्णय लेता है।

दंगल | **नारायणगंज दुर्गा व्यायाम शाला के मैदान में आयोजित किया गया विशाल इनामी दंगल।**

विशाल इनामी दंगल में संपन्न हुई 135 कुश्तियाँ

* सांसद द्वारा भवन निर्माण हेतु दिये गये 5 लाख रूपये।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

07 अक्टूबर 2025 दिन मंगलवार को मंगल भवन ग्राउंड में भव्य विशाल दुर्गा व्यायाम शाला का इनामी दंगल संपन्न कराया गया दुर्गा व्यायाम शाला स्थाई समिति नारायणगंज के तत्वाधान में विगत 68 वर्षों से उक्त दंगल को विधिवत और पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जाता रहा है दंगल में तीन वर्गों में कुश्ती आयोजित की गई थी प्रथम वर्ग में विजेता है नाम राशि 15000 रूपये जो की स्वर्गीय श्री नत्थू लाल चौकसे की स्मृति में उनके सुपुत्र संत कुमार एवं राजकुमार चौकसे के द्वारा प्रदान की गई द्वितीय वर्ग में 10000 की राशि जो की स्वर्गीय सीताराम शर्मा की स्मृति में उनके पुत्र संदीप सौरभ शर्मा के द्वारा प्रदान की गई तीसरी वर्ग में 8000 रूपये की राशि जो कि स्वर्गीय श्री गुरमुख जवानी एवं स्वर्गीय श्री पुतलीबाई जवानी की स्मृति में स्वराज ट्रैक्टर्स मंडल के द्वारा प्रदान की गई दंगल में कल लगभग 135 कुश्तियों से ज्यादा कुश्ती संपन्न हुई जिसमें प्रथम वर्ग में हरियाणा के पहलवान भारत पहलवान विजेता हुए द्वितीय वर्ग में जबलपुर के कारण पहलवान विजेता हुए जाति वर्ग में सैमसंग साइन खेड़ा विजेता हुए दुर्गा व्यायाम शाला के अध्यक्ष रतन सिंह ठाकुर संरक्षक मगनलाल सोनी उपाध्यक्ष विनोद अग्रवाल कोषाध्यक्ष रघुनंदन विश्वकर्मा सचिव नरेश सोनी संचालक राजेश सोनी संतोष सोनी गया प्रसाद चक्रवर्ती एवं पुरस्कार प्रदाता के द्वारा पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम किया गया उक्त दंगल में सांसद फगन सिंह कुलस्ते के द्वारा 500000 रूपये की राशि भवन निर्माण हेतु देने की घोषणा की गई एवं निवास विधानसभा के विधायक चैन सिंह वरकड़े के द्वारा नगद 100000 रूपये की राशि दंगल समिति को प्रदान की गई दंगल में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष विशेष सहयोग के रूप में मंगल आइटम यूनिवर्सिटी बरेला का पुरस्कार वितरण में अमूल योगदान रहा मंगलकारी यूनिवर्सिटी से आए प्रतिनिधि राज शर्मा रूपल जोशी सत्यम शाही के द्वारा पहलवान को मेडल टी-शर्ट मग फोटो फ्रेम प्रसूत पत्र घड़ी इतराड़ी सामान देकर विजेता पहलवान को प्रोत्साहित किया गया महिला पहलवानों के लिए उज्जवल भविष्य के लिए हायर एजुकेशन में छूट संबंधी बात कही उक्त दंगल में हरियाणा दिल्ली सिवनी कटनी दमोह धूमा जबलपुर मंडला और भी अन्य क्षेत्र के पहलवानों ने भागीदारी की एवं दंगल को सफल बनाया।

धात्री और गर्भवती माताओं की दी गई स्वच्छता और पौष्टिक भोजन के बारे जानकारी

मण्डला। पोषण माह की थीम अनुसार विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं पंचायतों में परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, पर्यवेक्षकों एवं परियोजना अधिकारियों द्वारा उपस्थित धात्री, गर्भवती माताओं एवं प्रतिभागियों को एलवाईसीएफ की जानकारी देते हुये माता-पिता, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को सही खान-पान, स्वच्छता और उम्र अनुसार आहार के बारे में बताया गया। स्थानीय खाद्य सामग्री से पौष्टिक भोजन कैसे तैयार करें ? उपस्थित धात्री माताओं एवं परिवार के सदस्यों को बच्चों की उम्र के अनुसार आहार तालिका बनाकर बच्चों को खिलाए जाने वाले भोज्य पदार्थों का चार्ट दिखाया गया।

छात्रावासों में प्रतिनियुक्ति पर वार्डन पद हेतु विज्ञापन

राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के पत्र क्र./राशिके/एस.जी.यू./2017/5881 भोपाल दिनांक 11.08.2017 के परिपालन में जिले में समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत संचालित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास खालोड़ी वि.ख. मवई में 03 वर्ष की अवधि हेतु प्रतिनियुक्ति पर वार्डन पद में नियुक्ति किये जाने हेतु शासकीय शालाओं में कार्यरत महिला उ.श्रे. शि/माध्य. शि / सहा.शि./प्राथ. शिक्षक से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

उक्त पद हेतु अर्हताऐ निम्नानुसार है:-

1. चयनित शाला (जहां छात्रावास की बालिकाएँ अध्ययनरत हो) की महिला शिक्षिका उ.श्रे. शि./माध्य. शि./ सहा.शि/प्राथ. शिक्षक को वरिष्ठता के आधार पर प्राथमिकता।
2. महिला शिक्षिका विवाहित होने की स्थिति में 05 वर्ष से कम आयु के बच्चे न हो, जिसके लिये बच्चों का जन्म प्रमाण आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें।
3. शैक्षणिक कार्य का कम से कम 05 वर्ष का अनुभव हो।
4. नवनियुक्त एवं परिवीक्षा अवधि में कार्यरत शिक्षिका आवेदन न करे।
5. प्रतिनियुक्ति भत्ता प्रतिमाह रूपये-2000/- दिया जावेगा।
6. चयन प्रक्रिया (उक्त छात्रावास की बालिकाओं की अध्ययनरत शाला की) वरिष्ठता के आधार होगी।
7. आवेदन पत्र में आवेदित छात्रावास का नाम आवश्यक उल्लेख हो।
8. स्थानीय निवासी महिला को स्थानीय छात्रावास में नियुक्ति नहीं दी जावेगी।
9. विधवा, परित्यक्ता एवं 35 वर्ष से अधिक, अविवाहित महिला को प्राथमिकता।
10. छात्रावास में रात्रि में रहने हेतु सहमत हो, सेवाभावी हो. सहृदय हो तथा पूर्ण रूप से स्वस्थ हो।
11. किसी प्रकार की विभागीय जांच, न्यायालयीन प्रकरण या अपराधिक प्रकरण प्रचलन में न हो। ऐसी स्थिति में आवेदन न करें।

आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि समाचार पत्र में विज्ञापन जारी होने की तिथि से अंतिम दिनांक 16 अक्टूबर 2025 तक कार्यालयीन समय अपरान्ह 5 बजे तक ही मान्य किये जायेंगे।

नोटः- आवेदन पत्र का प्रारूप कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र मण्डला से निःशुल्क प्राप्त किया जाकर पूर्णतः भरकर समस्त दस्तावेजों सहित उक्त कार्यालय में जमा करें। विस्तृत दिशा निर्देश कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त किये जा सकते है।

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र मण्डला

वर्षो से चल रहे निर्माणाधीन ओवर ब्रिज में अनेक जगहों पर दिखाई दे रही दरार गुणवत्ता पर खड़े कर रही सवाल, क्या लोकार्पण तक सुरक्षित बच पायेगी यह सौगात..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

निश्चित तौर से जब नगर व क्षेत्र में कोई बड़ा विकास कार्य होता है तो वहां पर रहने वाले लोगों को बड़ी खुशी होते हुये देखी जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के रेलवे स्टेशन के समीप चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर बनने जा रहे रेल्वे ओवर ब्रिज को देखते हुये जान पड़ रही थी। क्योंकि चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर रेलवे गेट के बंद रहने की स्थिति में चीचली सहित आस पास के दर्जनों गांव के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है और जब यहां पर ओवर ब्रिज निर्माण की खबर सुनी थी तो लोगो के दिलों में इस बात की खुशी देखने मिल रही थी कि शीघ्र ही इस ओबर ब्रिज के निर्माण होने से उन्हें रेल्वे फाटक के बंद रहने की परेशानी से निजात मिल जावेगी। मगर यह सोच अब जहां क्षेत्रवासियों के लिये एक सपना साबित होते हुये जान पड़ रही है। क्योंकि इस ओबर ब्रिज के निर्माण को शुरू हुये वर्षो का समय निकल जाने के बाद भी निर्माण कार्य आज भी अधूरा दिखाई देने से नही चूक रहा है..? सही मायने में देखा जावे तो ओबर ब्रिज के भूमि पूजन के दौरान जो पौधा रोपित किये गये थें वह फल देने लगे है। मगर ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा नही हो पाया है। वही दूसरी ओर इस निर्माणाधीन ओबर ब्रिज पर जिस प्रकार से जहां तहां दरारे निकलते हुये दिखाई दे रही है वह निश्चित तौर से गुणवत्ता पर सबाल खड़े करते हुये आम लोगों के दिलों में यह सबाल पैदा करने से नही चूक रही है कि क्या लोकापर्ण तक सुरक्षित रह पायेगी नगर को मिली हुई यह सौगात...? क्योंकि जब इस ओबर ब्रिज का निर्माण कार्य की शुरूआत हुई थी और रेलवे लाईन के इस ओर यानि की गाडरवारा साईड की दीवारे खड़ी हो ही रही थी और उस समय मौसम की पहली बारिश की मार भी नही झेल पाने की स्थिति में जहां दीवारे गूझा में भरे हुये कसार की तरह बिखर जाने के चलते इस ओर ब्रिज के निर्माण कार्य की गुणवत्ता शुरूआती तौर से ही सबालों के घेरे में आने से नही बच पाई है..? इस संबंध में तत्कालीन क्षेत्र के विधायक सुनीता पटैल द्वारा अपत्ति दर्ज कराये जाने से अनुमान लग रहा था कि शायद इस तरह जरा सी बारिश के बीच धराशाही हुये निर्माण के चलते संपूर्ण कार्य को निरस्त करते हुये नये सिरे से कार्य किया जावेगा। मगर मात्र टूटे हुये भाग की जगह पर मात्र जोड़ तोड़ करते हुये उसे पुनः तैयार कर देना चर्चा का विषय बनने के साथ साथ निर्माण कार्य की संच्चाई संदिग्ध बनने से नही चूक पाई है..? इस तरह वर्षो से चल रहे निर्माण कार्य के चलते अब इस ओबर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्णतः की ओर अग्रसर होते हुये तो दिखाई देने लगा है। मगर जब बीते हुये दिवस हमारी टीम द्वारा इस ब्रिज के निर्माण कार्य की सच्चाई का मौके पर पहुंचकर देखा गया तो निर्मित हो चुके ब्रिज के ऊपरी भाग में अनेक जगहों पर दरारे दिखाई देने के साथ उन्हें सीमेन्ट के माध्यम से जिस तरह जोड़ा गया है। यह सच्चाई इस बात को प्रतीत करने से नही चूक रही है कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को छुपाने का प्रयास किया जा रहा हो...? लोगों का कहना है कि अभी तो इस ओबर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण भी नही हो पाया है और ऊपर भाग में निकल रही दरार तथा आडी तिरछी हो रही दिवारों के भरोसे क्या लम्बी उम्र की कल्पना करना संभव हो पायेगा...? क्योंकि अभी तक निर्माण कार्य पूर्ण नही होने के कारण ब्रिज का उपयोग नही होने के बाद भी दरारे निकलने के साथ दीवारे आड़ी तिरछी दिखाई देने लगी है और जब बडे व भारी भरकम वाहनों की धमाचौकड़ी मचेगी तो फिर क्या हाल होगा...? इस सच्चाई तथा जिस गति से निर्माण कार्य चलते हुये देखा जा रहा है उसके चलते अब ब्रिज को लेकर जनचर्चाओं में यह कहा जाने लगा है कि क्या लोकापर्ण की अवधि आने तक यह सौगात सुरक्षित रह पायेगी..? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस समय नगर का निर्माणाधीन ओबर ब्रिज शराब खोरी करने वालों के लिये प्रमुख अड्डा बन चुका है। इस बात की सच्चाई ब्रिज के ऊपर भाग में खाली पड़ी हुई शराब को बाटले तथा अन्य प्रकार की सामग्री उजागर करते हुये देखी जा रही है कि यहां पर किस तरह से शराब खोरी चलते है। इतना ही नही इस निर्माणाधीन ब्रिज के नीचे के भाग में जहां निर्माण कार्य पूर्ण होने के पहले अतिक्रमण होने के साथ शाम होते ब्रिज के नीचे से लेकर ऊपरी हिस्से में होने वाली शराब खोरी स्थानीय स्तर के अधिकारियों की उदासीनता की कहानी को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। सही मायने में देखा जावे तो यह निर्माणाधीन रेलवे ओबर ब्रिज जहां अपनी गुणवत्ता को लेकर चर्चाओं में बन चुका है तो दूसरी ओर मादक पदार्थ के अवैध कारोबार से लेकर उनके उपयोग को लेकर अपनी एक अलग ही पहचान बनाते हुये संपूर्ण क्षेत्र में अनोखी प्रसिद्दि हासिल करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। हैरत की बात तो इस बात को लेकर हो रही है कि करोड़ो की राशि से हो रहे इस सरकारी कार्य स्थल पर गुणवत्ता तथा कार्य की शुरूआत व पूर्णतः संबंधी किसी तरह की कोई सूचना संबंधि वोर्ड तक स्थापित नही किया गया है। जबकि नियम के अनुसार जब कोई को शासकीय राशि से किसी कंपनी द्वारा निर्माण कार्य किया जाता है तो उसकी संपूर्ण जानकारी कार्य स्थल पर वोर्ड लगाते हुये पारदर्शि तरीके से उजागर की जाती है। इस तरह जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी का परिणाम आने वाली समय में क्षेत्र की जनता को भोगने के लिये मजबूर होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...?

अपने अस्तित्व को बचाने के लिए जूझ रहा सालीचौका साप्ताहित बाजार

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। अक्सर देखा जाता है कि जब किसी शहर या कस्बे में साप्ताहिक बाजार लगता है तो निश्चित उस क्षेत्र के लोगों को बाजार से काफी सुविधा होने के साथ साथ सप्ताह में एक दिन जरूरी सामग्री निर्धारित दामों पर उपलब्ध हो जाती है, कुछ इसी प्रकार से नगर सालीचौका में सप्ताह में दो दिन यानि की गुरूवार व रविवार को लगने वाले बाजार में देखी जाती है, यहां पर बाजार के दिन सिर्फ सालीचौका ही नही बल्कि आसपास के अनेक गांवों से लोग पहुंचकर जहां जरूरी सामग्री खदीदते है और इस बाजार में दूर दूर से दुकानदार आकर अपनी दुकान लगाते हुए रोजी रोटी भी चलाते है। मगर देखा जा रहा है कि नगर में लगने वाले इस साप्ताहित बाजार पर जिस प्रकार से बदहाली की काली छाया मंडरा रही है उसके चलते बाजार लगातार अपने अस्तित्व को बचाने के लिए जूझने लगा है? वर्षो से लगने वाले इस बाजार में लगातार अतिक्रमण होने के कारण जहां दुकानदारों के लिए जगह कम होती चली जा रही है और इसी का परिणाम है कि दिनों दिन बाहर से दुकानदारी करने आने वालें दुकानदारों में कमी दिखाई देने लगी है, वही बाजार के दिवस पर होने वाली आवारा गर्दी के चलते भी लोगों द्वारा इस बाजार में आने के लिए भय सताने लगी है, जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस बाजार का संपूर्ण संचालन नगर परिषद के जिम्मे है जो बाजार में दुकानदारी करने वाले लोगों से टेक्स की बसूली तो की जाती है, मगर दुकानदारों को सुविधा के नाम पर कुछ उपलब्ध नही हो पा रहा है इस स्थिति में दुकानदारों को तो परेशान होते हुए देखा जा रहा है। मगर बाजार में फैल रही अव्यवस्थाओं के साथ बदहाली को लेकर किसी भी प्रकार के प्रयास नही किये जा रहे है जिसके चलते नगर के जनप्रतिनिधियों की स्वार्थ पूर्ण कार्यशैली का शिकार हो रहे इस बाजार की ओर यदि समय रहते हुए ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही नगर का यह बाजार भी समीपस्थ ग्राम बसुरिया के साप्ताहिक बाजार का रूप धारण करने में कोई कसर नही छोड़ेगा? ज्ञात हो कि वर्षो पूर्व समीपस्थ ग्राम बसुरिया में प्रति मंगलवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार भी संपूर्ण क्षेत्र में जाना पहचाना जाता था, जिसमें सभी प्रकार की दुकाने लगने के साथ साथ इस बाजार में हमारे जिले के आलवा अन्य जिलों के दुकानदार भी पहुंचते हुए देखे जाते थें और बाजार का रूप इस प्रकार से हो चुका था कि लगातार दो दिनों तक समाप्त नही होता था, मगर यहां पर स्वार्थी नेताओं की भेंट चढ़ा बासुरिया बाजार एक छोटे रूप में पहुंच चुका है और यदि समय रहते हुए सालीचौका बाजार की व्यवस्थाओं की ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही एक दिन यह बाजार भी उसी रूप में आ पहुंचेगा जिसमें चंद दुकाने ही दिखाई देगी? यह बात अलग है कि आये दिन नगर में राजनैतिक या फिर सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान नगर के नेताओं की भीड़ व प्रभाव देखने के लिए तो जरूर मिलता है, मगर बदहाली की स्थिति में पहुंच रहे इस बाजार की ओर शायद ही आज तक किसी नेता या फिर जनप्रतिनिधि द्वारा अपनी सोच रखी गई हो? जिससे नगर की बाजार में फैल रही व्यवस्थाओं में सुधार हो सुके।

राज्यसभा सांसद नाथ महाराज का हुआ नगर आगमन, वाल्मीकि समाज ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में बाल्मिकी धाम के महाराज और राज्यसभा सांसद उमेश नाथ महाराज के आगमन ने उत्साह और भक्ति का माहौल बना दिया। बताया जाता है कि शहर के होटल शांति दूत में वाल्मीकि समाज ने उनका भव्य स्वागत किया गया। वही उमेश नाथ महाराज ने इस अवसर पर वाल्मीकि जयंती की शुभकामनाएं देते हुए, महर्षि वाल्मीकि जी के योगदान को याद किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने 100 करोड़ श्लोकों में भारतीय परंपरा के तमाम सूत्रों को लिखा गया और उनकी रचना योग वशिष्ठ रामायण में वही ज्ञान समाहित है जो अन्य पुस्तकों में भी उल्लेखित है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी के आदर्शों पर चलने और सनातन धर्म के साथ मानवीय अधिकारों के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया।महाराज ने समाज को अपने बच्चों को शिक्षित करने और उन्हें दीक्षित करने का संकल्प लेने की प्रेरणा देने के साथ ही सामाजिक समरसता के साथ जीवन जीने का संदेश दिया। इस मौके पर अजय घारू, विवेक घारू, प्रशांत घारू, निक्की मैना, हर्षित कलोसिया, जितू घारू, अनिकेत घारू, रागनी घारू, नीता कलोसिया, रजनी घारू, सुमन घारू समेत समाज के कई प्रमुख लोग मौजूद थें।

राज्य स्तरीय शालेय व्हालीबॉल प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर बैठक का किया गया आयोजन, नगर में 13 से 17 अक्टूबर होगी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में लगातार दूसरे साल प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता का आयोजन होने की खबर सुनते हुये जहां लोगों में हर्ष देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर प्रशासन के अधिकारियों को तैयारियों में जुटा हुआ देखा जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये एसडीएम श्रीमती कलावती ब्यारे ने आगामी 13 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक नगर के पुराने कालेज खेल मैदान में आयोजित होने वाली 19 वर्षीय आयु वर्ग के बालक- बालिका की राज्य स्तरीय व्हालीबाल शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर तहसील कार्यालय के सभागार में बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि इस बैठक में उन्होंने प्रतियोगिता से सम्बंधित आवश्यक तैयारियों के लिए शिक्षा विभाग, नपा, चिकित्सा सहित संबंधित अन्य विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वही अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती ब्यारे ने कहा कि इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रदेश के संभागों से खिलाड़ी आवेंगे। इस बात का ध्यान रखा जावे कि उन्हें किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। खिलाड़ियों के लिए आवास, परिवहन, भोजन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं खेल प्रतियोगिता संबंधी समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। खेल प्रतियोगिता के दौरान प्रतियोगिता स्थल पर शुद्ध पेयजल, अस्थायी शौचालय आदि की व्यवस्था के साथ ही जीवन रक्षक दवाओं सहित फर्स्ट ऐड किट एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। प्रतियोगिता के मैचों की जानकारी, रूट मैप पूर्व से तैयार कर लिया जाये। इसके अलावा कंट्रोल रूम भी बनाया जाये। जिन आवास स्थलों में खिलाड़ियों को रुकना है, उनका पहले से निरीक्षण कर सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाये। बैठक में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा ने कहा कि यह प्रतियोगिता आयोजित करने का मौका हमारे नगर गाडरवारा को मिला है यह बडे ही सौभाग्य की बात है। आयोजित होने वाले राज्य स्तर की इस खेल प्रतियोगिता को भव्य तरीके से तैयारियाँ की जावें जिससे हमारे नगर का नाम प्रदेश व देश के कौने कौने तक पहुंच सके। बैठक में सर्वप्रथम जिला शिक्षा अधिकारी संदीप नेमा ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन पुराना कॉलेज ग्राउंड में किया जायेगा। इस प्रतियोगिता के लिए बालक एवं बालिकाओं के लिए पृथक- पृथक आवास, भोजन स्थल की व्यवस्था की जा रही है। रेलवे स्टेशन से लेकर आवास स्थल तक आने एवं आवास स्थल से मैदान तक आने के लिए वाहनों की व्यवस्था की जा रही है। बैठक में तहसीलदार प्रियंका नेताम, नपा सीएमओ वैभव देशमुख, सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे, नीलम मरावी, प्राचार्य सुनीता पटैल, एस के मिश्रा, सुशील शर्मा, बीआरसी डी के पटैल, संदीप स्थापक, जिला क्रीड़ा अधिकारी (डीईओ कार्यालय) सहित मुकेश पटैल, विक्रम शर्मा, चंद्रकांत साहू, मधुसूदन पटैल के आलवा अशासकीय स्कूलों के प्राचार्य एवं पुलिस, पीएचई, वन, लोक निर्माण विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद थें।

नगर में निकला माँ दुर्गा का भव्य चल समारोह, कलाकारों की प्रस्तुति देखते हुये माँ अम्बे के जयकारों से गूंजी धूनी नगरी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शारदेय नवरात्र के दौरान नगर सहित क्षेत्र में स्थापित की गई माँ जगत जननी की प्रतिमाओं का विसर्जन मुख्य रूप से हो चुका है। मगर कुछ जगहों पर नवरात्र के पंचमी पर स्थापित की गई प्रतिमाओं का विजर्सन बीते हुये मंगलवार यानि की पूर्णिमा के अवसर पर किया गया। इसी प्रकार से नगर सांईखेड़ा में भी जब माँ दुर्गा का भव्य जुलूस निकाला गया तो मातारानी के जयकारों से धूनी नगरी गूंजयमान होने से नही चूक पाई थी। नवरात्रि उत्सव के समापन अवसर पर नगर में माँ दुर्गा का भव्य विसर्जन चल समारोह निकाला गया, जिसमें श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। माँ के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। मंगलवार शरद पूर्णिमा के अवसर पर सुबह से ही नगर की सड़कों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। चल समारोह में आकर्षक झाँकियाँ, सजावट से सजे रथ, और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच भक्तजन माँ के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। जगह-जगह समाजसेवी संस्थाओं एवं श्रद्धालुओं द्वारा जलपान एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी। बताया जाता है कि इस चल समारोह में कलाकारों ने एक से बढ़कर माँ जगत जननी के रूप में शानदार प्रस्तुतियाँ देते हुये लोगों को मग्नमुंध करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इस तरह धार्मिक प्रसंगों, लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक झाँकियों ने सभी का मन मोह लिया। आयोजन में श्रद्धालु न केवल नगर से बल्कि आस पास के ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस तरह चल समारोह का नगर परिषद प्रांगण में माँ की विशाल महा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर माँ दुर्गा की आराधना करते हुये क्षेत्र की खुशहाली का आर्शीवाद मांगा गया। इसा कार्यक्रम का सफल संचालन और व्यवस्था नर्मदे हर मंडल, कमला पैलेस द्वारा की गई जो पिछले 30 वर्षों से निरंतर माँ दुर्गा की सेवा एवं आयोजन करते आ रहे हैं। इस संबंध में मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन नगर की आस्था, एकता और परंपरा का प्रतीक बन चुका है।

जनपद शिक्षा केंद्र के समक्ष फैल रही गंदगी व मृत पड़ी गाय खोल रही स्वच्छता की पोल

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा स्कूलों में स्वच्छता पखवाड़ा के माध्यम से स्कूली छात्र छात्राओं को लगातार साफ सफाई एवं स्वच्छता का संदेश देते हुये जागरूक किया जा रहा है। मगर वही दूसरी ओर जनपद शिक्षा केंद्र सांईखेड़ा में जिस तरह गंदगी का आलम देखने मिल रहा है वह निश्चित तौर से स्वच्छता पखवाड़े पर सवालिया निशान लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। क्योंकि कार्यालय के मुख्य द्वार में लटक रहा ताला व मौजूद गंदगी इस बात को खुलासा करते हुये प्रतीत हो रही है कि यह ताला बीते हुये कई दिनों से नही खुला होगा..? हाल यह बना हुआ है कि गंदगी के बीच मृत गाय के चलते बदबू के चलते आसपास के लोगों को सांस लेना मुश्किल होने से नही चूक पा रहा है..? इस संबध में जब लोगों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि कहने के लिये तो यह बीआरसी कार्यालय के रूप में जाना जाता है। मगर यहां पर पदस्थ जिम्मेदार अधिकारी के दर्शन नीलकंठ महाराज की तरह ही होना आम बात बनी हुई है। यह जरूर बात है कि यदि किसी को उनसे संबंधित कोई कार्य होता है तो गाडरवारा शहर में सड़को पर घूमने के साथ साथ किसी विभाग से संबंधित व्यक्ति के जन्म दिवस या फिर बिदाई पार्टी में दर्शन करते हुये विभाग के कर्मचारीगण अपने आपको सौभाग्य शाली समझ लेते है। जनचर्चाओं के अनुसार उनकी मुख्य नियुक्ति तो शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा में व्याख्याता के उच्च पद प्रभार पर बताई जाती है। मगर अपनी जुगाड़ जनप्रतिनिधियों की कृपादृष्टि के चलते मलाईदार पद को सुशोभित करते हुये शिक्षा विभाग को चूना लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..?

योजनाओं से वंचित है कृषक खेती को लाभ का धंधा बनाने पसीना बहाता हुआ अन्नदाता किसान

हरिभूमि न्यूज/सिहपुर छोटा। वैसे देखा जावे तो सरकारों ने कृषकों के लिए अनेक लाभ कारी योजानायें तैयार की है और कृषकों के हित ओर संरक्षण का दावा समय समय पर किया जाता है। लेकिन यह एक सोचनीय पहेलू है कि इन योजनाओ का लाभ कृषको तक कैसे पहुंचता है? ऐसा लगता है कि कृषको के हित संरक्षण हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता बढ़ती जा रही। ज्ञातव्य है कि सरकार ने कृषको की सहायता मार्ग दर्शन तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए उन्नत तकनीको से अवगत कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग बनाया है। लेकिन ग्रामीण अंचलों में कृषकों को विभाग द्वारा जानकारी सुलभ नही कराई जा रही है, जिससे समसमायिक जानकारी कृषकों को नही मिलती है, कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण शासन की अनेक लाभकारी योजनाओं का लाभ कृषकों को नही मिल पा रहा है? जिससे उनकी कृषि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, क्षेत्र के कुछ रोषित कृषको ने बताया कि कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ साधन सम्पन्न कृषकों को दिया जाता है। जिससे गरीब कृषक शासन की योजनाओं से वंचित रह जातें है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पूर्व में भी अनेको बार जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियो को ध्यान कृषि विभाग के अधिकारियों की मनमानी कार्यप्रणाली की ओर आकर्षित किया गया था, जिस पर कुछ दिन तो विभागीय अधिकारी चोकन्ने हुए, किन्तु धीरे धीरे पुनः उसी चाल में आ गये है, उल्लेखनीय है कि प्रदेश के आकाशवाणी केन्द्रों से ग्राम सभा कार्यक्रम में कृषि से संबंधित जानकारिया ग्रामीणजनो को दी जा रही है, जिसमें इन जानकारियों में सिंचित गेंहू की अधिक पैदावार लेने से गुड, फसल बीमा, जैविक फसल व अन्य प्रकार की फसलो का कीटों से बचाव गोबर गैस आदि विषयों की सूक्ष्म जानकारी दी जाती है। गौरतलब है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति ग्रामीण कृषि विस्तार अंचलों में हुई है, परंतु यदि गणना की जाये तो पता चलता है कि अधिकतर अधिकारी अपने मुख्यालय को छोड़ समीपस्थ कस्बो व नगरों में निवास कर रहे है, जिससे विभागीय अधिकारी भी परिचित है पर बिल्ली के गले में घंडी कौन बांधें?

अतिक्रमण के चलते पुराने बस स्टेंड पर बन रही जाम की स्थिति

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में प्रमुख माने जाने वाले मार्ग यानि की पुराने बस स्टैन्ड के चारों ओर फैला हुआ अतिक्रमण के साथ साथ कुछ दुकानदारों द्वारा अपनी अस्थाई दुकाने पुलिया के ऊपर लगाये जाने के चलते यहां पर जाम की स्थिति बनते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। बताया जाता है कि यह मार्ग नगर की पुरानी गल्ला मंडी से लेकर मुख्य बाजार की ओर जाता है। वही दूसरी ओर इसी क्षेत्र के शराब ठेका होने के साथ साथ अन्य जरूरी सामग्री की दुकाने के कारण शहर से लेकर ग्रामीणों लोगों के लिये आने जाने हेतु मुख्य मार्ग है। वही दूसरी ओर इसी मार्ग से क्षेत्र के किसानों के ट्रेक्टर ट्राली सहित अन्य प्रकार के वाहनों का आना जाना होता है। वही दूसरी ओर यहां से निकले हुये नगर के लडैया नाले के ऊपर बनी हुई पुलिया पर जिस तरह हाथ ठेला वाले लोगों द्वारा अपना कब्जा जमाते हुये दुकाने लगाई जाती है उसके चलते मार्ग की चौड़ाई और सकरी हो जाती है। इस स्थिति में जब कोई वाहन निकलते हुये आमने सामने से फंस जाते है तो फिर जाम की स्थिति बनने से नही चूक पाती है। वही दूसरी ओर दुकानों के सामने खड़े होने वाले वाहनों सहित फैले हुये अतिक्रमण के चलते यहां पर दिन में अनेकोबार जाम की स्थिति बनते हुये देखा जाना जहां आम बात हो चुकी है।

खबर संक्षेप

बेटी-दामाद से तंग वृद्ध ने की पुलिस में शिकायत

अमरपुर। पुलिस चौकी अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम सारंगढ़ निवासी गुल्ला सिंह पट्टा अपनी पत्नी के साथ पुलिस चौकी अमरपुर में पहुंचकर आवेदन देते हुए बताया कि उसकी पुत्री श्रीवती अपने घर से भाग कर अंतर्जातीय विवाह विमल दास बघेल से कर ली हैं। फिर कुछ दिनों बाद दोनों पति-पत्नी वापस आकर घर में रहने लगे। बेटी और दामाद के दो बच्चे भी हैं। और अब दो-तीन वर्षों से बुजुर्ग सास ससुर से गाली गलौज मारपीट करता हैं। साथ ही घर से भाग जाने को कहता हैं। जिससे दुखी वृद्धजनों ने परेशान होकर पुलिस चौकी में शिकायत लेकर पहुंचे थे। जिस आवेदन में 30 सितंबर की पावती अंकित हैं। जो बुजुर्ग दंपति पुनः 6 अक्टूबर को पुलिस चौकी पहुंचकर उपस्थित कर्मचारी को अपने आप बीती सुनाएं बुजुर्ग दंपति घुटघुट कर जीने को मजबूर हैं।

वृद्धजनों हेतु 4 दिवसीय परीक्षण शिविर आयोजित

डिंडौरी। भारत सरकार द्वारा वृद्धजनों के कल्याण हेतु संचालित वयोश्री योजना के अंतर्गत जिले में 4 दिवसीय परीक्षण शिविर का आयोजन जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, जिला चिकित्सालय डिंडोरी में किया गया। शिविर के दौरान 106 वृद्धजनों का पंजीयन किया गया, जिनमें से 84 वृद्धजनों को सहायक उपकरणों हेतु चिन्हांकित किया गया। इस योजना के तहत पात्र वृद्धजनों को कान की मशीन, छड़ी, चश्मा सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित दिव्यांगजनों को भी लाभान्वित किया गया, जिनमें 2 सीपी चेयर, 2 ट्राइसाइकिल एवं 1 व्हील चेयर का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्याम सिंगौर उपसंचालक सामाजिक न्याय, एलिम्को टीम, डीडीआरसी कर्मचारी तथा अन्य सहयोगी कर्मचारी उपस्थित रहे।

वायुसेना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अनिल कुशराम के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत वायुसेना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए एसवीसीजी प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अनिल कुशराम के द्वारा पुलवामा हमला, ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से वायुसेना का पराक्रमों की जानकारी दी। डॉ. सौरभ सामंत के द्वारा वायुसेना के कैरियर संबंधित विभिन्न जानकारियां जैसे वायुसेना के लिए योग्यता, मापदंड, परीक्षाओं, कर्मचारियों, अधिकारियों की रैंक एवं वेबसाइट आदि जानकारी साझा किया गया। जिससे विद्यार्थी भारतीय वायुसेना में कैरियर बना सकें एवं देश प्रति सेवा भाव, प्रेम सम्मान एवं रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टॉफ डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी, जयदीप दुबे एवं छात्र - छात्राएं मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

डिंडौरी। जनपद पंचायत करंजिया के सेक्टर गोपालपुर में व्याप्त समस्याओं के निराकरण की मांग से संबंधित ज्ञापन ग्रामीणों ने बुधवार को कलेक्टर के नाम तहसीलदार डिंडौरी को सौंपा है। ज्ञापन में लेख किया गया है कि सेक्टर गोपालपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत में आजादी के समय से मूलभूत सुविधाओं को अभाव बना हुआ है। ग्राम पंचायत बहारपुर से चिखला टोला, कुटठर टोला जुगदेई स्कूल तक पहुंच मार्ग की दूरी 5 किलोमीटर है। यह मार्ग आज तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से नहीं जुड़ पाया। यहां प्राथमिक शाला से लेकर हाईस्कूल तक संचालित है। आवागमन की सुविधा के लिए वर्षों पुरानी पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाने से बरसात के मौसम में उसी क्षतिग्रस्त पुलिया व नाले से बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर शिक्षा अध्ययन करने के लिए स्कूल आते है। बैगा बाहुल्य क्षेत्र का केंद्र बिंदु बाहरपुर 20 गाँव के बीच में बसा है, जहाँ शासन द्वारा प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है।

सरपंच संघ ने मनाया जश्न, विपक्ष सन्न

शहपुरा जनपद में प्रियंका आर्मो के खिलाफ अविश्वास मतदान टला

हाईकोर्ट की रोक से पलटी सियासी बाजी!

जनपद पंचायत शहपुरा की सियासत अचानक करवट बदल गई। अध्यक्ष प्रियंका आर्मो के खिलाफ प्रस्तावित अविश्वास मतदान से कुछ ही घंटे पहले हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मतदान प्रक्रिया पर रोक लगा दी।

शहपुरा

अदालत के आदेश के साथ ही जनपद की राजनीतिक हलचल थम गई और माहौल जश्न में बदल गया। सुबह तक पूरा जनपद पंचायत परिसर सियासी रंग में डूबा हुआ था — सभाकक्ष में विशेष बैठक की तैयारी, सदस्य गुटों की मौजूदगी और रणनीतियों की सरगर्मी से माहौल गर्म था। हर किसी की निगाहें इस मतदान पर टिकी थीं, जो तय करता कि प्रियंका आर्मो जनपद की कुर्सी पर बनी रहेंगी या नहीं। लेकिन आई हाईकोर्ट की स्थगन सूचना ने सारा समीकरण बदल दिया। प्रशासन ने तुरंत मतदान प्रक्रिया को अगली सुनवाई तक स्थगित करने की घोषणा कर दी।

इस फैसले के बाद प्रियंका आर्मो समर्थक गुट और सरपंच संघ शहपुरा में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने इसे "न्याय की जीत" बताते हुए जनपद प्रांगण के बाहर बैंड-बाजों के साथ जमकर आतिशबाजी की और नारेबाजी की। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह सिर्फ एक मतदान स्थगन नहीं, बल्कि शहपुरा जनपद की सत्ता समीकरणों में निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। लगभग छह माह पहले भी प्रियंका आर्मो के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन तब उन्होंने बहुमत का भरोसा जीतकर पद बचा लिया था। अब दूसरी बार भी अदालत की राहत ने उन्हें राजनीतिक "संजीवनी" दे दी है। फिलहाल जनपद की सियासी गर्मी फिलहाल ठंडी पड़ गई है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह सन्नाटा तूफ़ान से पहले की शांति भी साबित हो सकता है।

शिक्षा का मंदिर बना शराबी शिक्षक का अड्डा

नशे में धुत शिक्षक ने क्लास में मचाया हंगामा, बच्चों में मचा हड़कंप

शहपुरा (डिंडोरी)।

डिंडौरी जिले में शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। मेंहदवानी तहसील के ग्राम सरसी माल के सरकारी स्कूल में पदस्थ शिक्षक जनूराम धुर्वे शराब के नशे में धुत होकर स्कूल पहुंचे और क्लासरूम में ही हंगामा खड़ा कर दिया। जानकारी के मुताबिक शिक्षक की हालत इतनी खराब थी कि उन्होंने बच्चों और स्कूल स्टाफ से झगड़ा शुरू कर दिया। डरे हुए बच्चे क्लास छोड़कर बाहर भाग निकले, जबकि ग्रामीणों को जब इसकी खबर लगी, तो वे तुरंत स्कूल पहुंचे। ग्रामीण युवाओं ने शिक्षक की हरकतों को मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद जनशिक्षक और नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे, जिन्होंने नशे में धुत शिक्षक के सामने ही घटना का पंचनामा तैयार किया। जनशिक्षक ने बताया कि शराब के नशे में शिक्षण कार्य बाधित करने वाले शिक्षक जनूराम धुर्वे के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारियों को रिपोर्ट भेज दी गई है, ताकि उन पर कड़ी कार्रवाई हो सके।

ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे शिक्षकों के कारण न केवल बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है बल्कि पूरे समाज में गलत संदेश जाता है। इस घटना ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

धान उपार्जन पंजीयन में खसरा नंबर न दिखने से किसान परेशान

शहपुरा

बरगांव और शहपुरा उपार्जन केन्द्रों में धान उपार्जन पंजीयन को लेकर किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि पंजीयन प्रक्रिया में उनका खसरा नंबर नहीं दिख रहा है, जिसके कारण वे पंजीयन कराने में असमर्थ हैं। किसानों के अनुसार, उन्होंने समय पर अपना विवरण और दस्तावेज जमा कर दिए थे, लेकिन कंप्यूटर प्रणाली में उनका खसरा नंबर दर्ज नहीं होने के कारण उन्हें बार-बार उपार्जन केन्द्रों का चक्कर लगाना पड़ रहा है। किसानों की बढ़ती चिंता का मुख्य कारण यह है कि धान उपार्जन के लिए अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2025 रखी गई है। अगर पंजीयन समय पर पूरा नहीं हुआ, तो किसानों को अपने धान उपार्जन में समस्या का सामना करना पड़ सकता है। बरगांव और शहपुरा केन्द्रों पर पंजीयन कराने आए किसानों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। कई किसान स्थानीय अधिकारियों से समाधान की गुहार लगा रहे हैं। किसानों का कहना है कि उन्हें बार-बार केन्द्रों में आने और जाने की झंझट से जूझना पड़ रहा है, जिससे समय और श्रम दोनों की हानि हो रही है।कृषि विभाग और संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया गया है कि वे जल्द से जल्द पंजीयन प्रणाली में खसरा नंबर की त्रुटि को सुधारें और किसानों को समय पर पंजीयन की सुविधा प्रदान करें। ताकि किसान धान उपार्जन के लिए बिना किसी परेशानी के पंजीकृत हो सकें और उनका उत्पादन सही समय पर उपार्जित किया जा सके।

ग्राम गोरखपुर में आयोजित हुई ग्राम सभा, ग्रामीणों ने उठाए सरहद और आवास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे

करंजिया (गोरखपुर)।

करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोरखपुर में बुधवार को ग्राम पंचायत भवन में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। यह ग्राम सभा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी, जिसमें वार्षिक कार्य योजना तैयार की गई।ज्ञात हो कि इसके पूर्व 4 अक्टूबर (शनिवार) को ग्राम सभा बुलाई गई थी, परंतु नोडल अधिकारी और अन्य विभागीय अधिकारी अनुपस्थित रहे थे, जिसके चलते ग्राम सभा को निरस्त कर दिया गया था। ग्रामीणों में इस बात को लेकर रोष था। बुधवार को आयोजित ग्राम सभा में सरपंच द्वारा सख्ती से सूचना देकर विभागीय अधिकारियों को बुलाया गया, जिससे इस बार ग्राम सभा में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।ग्राम सभा के दौरान संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी आमजन को दी ताकि ग्रामीण इनका लाभ उठा सकें।

महिलाओं ने उठाई आवास योजना की मांग

ग्राम की कई महिलाएं आवास की मांग को लेकर सभा में पहुंचीं और लंबे समय से इंतजार के बावजूद आवास न मिलने पर नाराजगी जताई। सरपंच और सचिव ने उन्हें जानकारी दी कि आवास योजनाओं का लाभ सूची में नाम होने के अनुसार दिया जाता है।

एक बार फिर उठा सरहद का मुद्दा

सभा में गोरखपुर, माधोपुर, चंदना और मुसामुंडी के बीच सरहद निकलवाने का मुद्दा एक बार फिर से सामने आया। ग्रामीणों ने बताया कि चरखुटिया के निवासियों ने पहले भी इस मांग को लेकर सड़क जाम किया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्राम सभा में जल्द से जल्द सरहद की नाप कर कार्य शुरू करने की मांग की गई।

सीईओ ने पंचायत भवन का किया निरीक्षण

जनपद पंचायत करंजिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अक्षय डिगरसे भी ग्राम सभा में पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और सचिव को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। सीईओ डिगरसे ने पंचायत भवन का निरीक्षण करते हुए जर्जर शौचालय, दरवाजों, वायरिंग, पर्दों और साफ-सफाई सहित अन्य मरम्मत कार्यों के लिए आवश्यक निर्देश दिए।सभा में सरपंच रामेश्वरी मार्को, सचिव गुल सिंह धुर्वे, रोजगार सहायक प्रदीप मोगरे एवं कृषि विस्तार अधिकारी हर्षवर्धन सहित सभी विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने शासन की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। ग्रामसभा में ग्रामीणों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा कर आगामी कार्ययोजना भी तैयार की गई।

गरबा नाइट्स का धमाका

सितारों संग थिरका शहर

डिंडौरी।

डिंडौरी का उत्कृष्ट खेल मैदान शनिवार रात रंग-बिरंगी रोशनी, संगीतमय थाप और उत्साह से सराबोर हो उठा। सेलिब्रिटी गरबा नाइट्स 2025 के आयोजन में गरबा, ग्लैमर और गायन का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसे नगरवासी वर्षों तक याद रखेंगे।कार्यक्रम की शुरुआत जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते के मुख्य आतिथ्य में, तथा भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम की अध्यक्षता में हुई। कार्यक्रम में एएसपी डॉ. अमित वर्मा, एसडीएम (बजाग) रामबाबू देवांगन, एसडीएम (डिंडौरी) भारती मेरावी, एसडीओपी सतीश द्विवेदी (डिंडौरी) एवं विवेक गौतम (बजाग) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मां जगत जननी की पूजा-अर्चना के साथ गरबा नाइट का शुभारंभ हुआ।

मंच पर चमका बॉलीवुड तड़का

कार्यक्रम की खास आकर्षण रहीं बॉलीवुड और वेब सीरीज़ कलाकार इशिता त्रिवेदी, जिन्होंने अपने धमाकेदार डांस मूव्स और जबरदस्त एक्सप्रेशन्स से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं सिंगर ऋचा अर्चना ने "केसरिया" और "नगाड़ा संग ढोल" जैसे गीतों की मधुर प्रस्तुति देकर माहौल को संगीतमय बना दिया। एंकर हर्षिता ने अपने ऊर्जावान और चुटीले संवादों से दर्शकों को बांधे रखा।

गरबा किंग-क्वीन बने ये चेहरे

रात भर चले इस रंगारंग आयोजन में कमलेश यादव को गरबा किंग और स्वप्निल गुप्ता को गरबा क्वीन के खिताब से नवाजा गया। अन्य विजेताओं में आरव चकार्डे (प्रिंस), तृषा सोनवानी (प्रिंसेस) और स्पेशल कैटेगरी में बेबी तनीषा गुप्ता ने बाजी मारी। वहीं चेतना श्याम, अनाया श्याम और तनिष्का नामदेव को बेस्ट ग्रुप में सम्मानित किया गया।

गरबा रे गरबा... थिरका पूरा शहर

चमचमाती लाइट्स, पारंपरिक परिधान और धमाकेदार म्यूजिक के साथ युवक-युवतियों ने मैदान को किसी बॉलीवुड सेट में तब्दील कर दिया। रात ढलती रही, लेकिन उत्साह कम नहीं हुआ। हर बीट पर लोगों ने झूमकर गरबा का आनंद उठाया।मेकला फिल्म्स के निर्माता रविराज बिलैया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य डिंडौरी को मनोरंजन के नए क्षितिज से जोड़ना है, जो कि स्थानीय प्रतिभाओं, अतिथियों और दर्शकों के सहयोग से सफल रहा।

पुत्र और छोटे भाई ने मिलकर रची थी हत्या की साजिश, दोनों आरोपी गिरफ्तार

शहपुरा पुलिस ने किया अधेड़ व्यक्ति की नृशंस हत्या का खुलासा

शहपुरा (डिंडौरी)।

ग्राम चौरा डेम नहर पुलिया के पास 6 अक्टूबर को एक अधेड़ व्यक्ति का रक्तरंजित शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही शहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर मृतक के चेहरे और गले पर धारदार हथियार से किए गए गहरे घाव देखे गए, जिससे यह स्पष्ट था कि मामला हत्या का है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डिंडौरी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी शहपुरा के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। शव की पहचान मृतक के परिजनों द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार, मृतक शराब व मांस का शौकीन था और अकसर लोगों से उधार लिया करता था। इसके अलावा, उसका अपने पुत्र शिवकुमार मार्को से जमीन बेचने को लेकर विवाद भी चल रहा था।पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतक के पुत्र शिवकुमार मार्को से कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने स्वीकार किया कि उसने अपने चाचा सिद्धू सिंह मार्को के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या की साजिश रची थी। दोनों ने 5 अक्टूबर की रात को चौरा डेम नहर पुलिया के पास धारदार हथियार (बका) से हमला कर उसकी हत्या कर दी।पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त हथियार, खून से सने कपड़े, एक मोटरसाइकिल और मृतक का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।इस हत्याकांड के खुलासे में थाना प्रभारी श्री अनुराग जामदार, सउनि नंदकिशोर झारिया, सउनि बिपिन जोशी, सउनि शेख आज़ाद,प्रधान आरक्षक राघवेंद्र सिंह (305), प्रधान आरक्षक कमलेश मरावी (37),प्रधान आरक्षक प्रवीण अवस्थी (73), आरक्षक अभिषेक पांडेय (17) की विशेष भूमिका रही।

डिंडौरी में नर्मदा घाट से रेत उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने की मांग

ग्रामीण रेत माफिया के खिलाफ हुये लामबंद, कलेक्टर के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी। जिले के जनपद पंचायत करंजिया अंतर्गत रूसा के बंजर टोला के ग्रामीणों ने रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने हेतु कलेक्टर के नाम तहसीलदार आरपी मार्को को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने दिये गये ज्ञापन में लेख किया है, कि ग्राम रूसा के बंजर टोला में स्थित नर्मदा घाट से माफियाओं द्वारा रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन किया जा हैं। माफियाओं द्वारा परिवहन के लिए चौबीसों घंटे वाहनों का संचालन किया जा रहा है, जिससे बस्ती अंदर स्थित सीसी सडक क्षतिग्रस्त हो गई है, साथ ही सडक से सटा हनुमान मंदिर भी वाहनों के आवागमन से क्षतिग्रस्त होने की भी संभावना बनी हुई है। वाहनों के लगातार आने जाने और घाट में वाहनों में रेत लोडिंग के दौरान नर्मदा नदी में नहाने वाले महिला पुरूषों को परेशानी पेश आती है। इसके साथ ही घाट में मवेशियों को पानी पिलाने के लिए ले जाने के दौरान भी वाहनों से हादसे की आशंका बनी रहती है। नर्मदा घाट में स्नान के लिए दूर दराज से श्रद्धालु आते हैं और जल लेकर जाते हैं, लेकिन वाहनों की धमाचौकड़ी के साथ रेत उत्खनन के दौरान पानी गंदा हो जाता है, जिसका उपयोग संभव नहीं है। निरंतर तेज गति से गाड़ियों के चलने के कारण बस्ती अंदर खेल रहे छोटे बच्चे और आम नागरिकों को भी जान का खतरा बना हुआ है। रेत माफियाओं को रेत उत्खनन और परिवहन करने पर मना किया जाता है, तो उनके द्वारा ग्रामीणों को मारपीट करने की धमकी दी जाती है। तथा कहा जाता है कि हमारी षिकायत जहां लगे कर दो किसी का भय नहीं है। ग्रामीणों ने आशंका जाहिर की है, कि अवैध कार्य पर रोक लगाने वाले ग्रामीणो कों माफियाओं से बडी घटना को अंजाम देने की आशंका भी बनी हुई है। ऐसी दशा में प्रषासन द्वारा कार्रवाई की जाये ताकि माफिया और वाहन चालकों के द्वारा किसी भी तरह की घटना को अंजाम नहीं दिया जा सके ।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 9 अक्टूबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

11 सूत्रीय मांगों को लेकर पेंशनर समाज ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। म प्र पेंशनर्स समाज द्वारा पेंशनर्स की 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन देवंती परते डिप्टी कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया। इस अवसर पर एस, के, चतुर्वेदी प्रांतीय अध्यक्ष म प्र पेंशनर्स समाज, शिवकुमार जाट जिला अध्यक्ष, विजय दुबे जिला सचिव, भवानी शर्मा जिला कोषाध्यक्ष, आर, पी, पटेल राजेंद्र नावकर, आर डी साहू, के, आर, नामदेव, त्रिलोक जाट, कैलाश राय, लाल चंद मेहरा, उमेश दुबे, लेखराम विश्वकर्मा, प्रमोद जेन सहित सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मंजीत छाबड़ा को बनाया प्रभारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बुधवार को श्री गुरु रामदास साहिब जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा स्टेशनगंज नरसिंहपुर में संगत एकत्रित हुई और इसी मौके पर आगामी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए समाज ने सर्वसम्मति से सरदार मनजीत सिंह छाबड़ा (बब्लू वीरजी) को श्री गुरु सिंह सभासी नरसिंहपुर का प्रभारी (मार्गदर्शक) नियुक्त किया है। गुरु सिंह सभा नरसिंहपुर के सभी कार्यक्रमों, गुरुद्वारे में होने वाली कार सेवाओं अथवा दैनिक कार्यों की सूचना और सहमति प्रभारी के माध्यम से ही दी जायेगी।

ट्रेन मे बिगड़ी तबियत हुई मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ट्रेन मे यात्रा कर रहे व्यक्ति की तबियत बिगड़ गई। जिसे परीक्षण के दौरान डाक्टर द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार जमील अंसारी उम्र 35 वर्ष निवासी देवरी बिहार मुम्बई से इलाज कराकर अपने घर जा रहे थे तभी इटारसी स्टेशन के बाद तबियत बिगड़ गई जिसकी सूचना डा आर आर कुर्रे को दी गई। सूचना पर स्टेशन नरसिंहपुर मे यात्री का परीक्षण किया गया जिसमे डाक्टर कुर्रे द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। बताया गया कि हार्ट अटैक के कारण मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव को परीक्षण के लिए रखवा लिया एवं परजिनों को सूचना दी गई।

भावांतर योजना में एक हजार 964 किसानों का हुआ पंजीयन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नरसिंहपुर ने बताया कि भावांतर योजनांतर्गत जिले में निर्धारित पंजीयन केन्द्रों, ग्राहक सुविधा केन्द्र, एमपी किसान एप, एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से अब तक कुल एक हजार 964 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि योजनांतर्गत सोयाबीन उत्पादक किसानों का पंजीयन 17 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। जिले की 24 सहकारी संस्थाएं और विपणन संस्थाओं के माध्यम से किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। किसान अपने नजदीकी सहकारी समिति में जाकर पंजीयन करा सकते हैं। इसके अलावा कृषक ग्राम सुविधा केन्द्र, एमपी किसान एप, एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से भी अपना पंजीयन कर सकते हैं।

नहीं रहे सुदामा सोनी

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रतिष्ठित जडिया सोनी परिवार के सुदामा प्रसाद सोनी का असमय दुखद निधन हो गया।आप एडवोकेट संजीव सोनी के पिता एवं रामनायण ताराचंद संतोष सोनी के भाई थे।नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।

भावांतर योजना का जताया विरोध

13 सूत्रीय मांगों को लेकर किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) इकाई ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम मणिन्द्र कुमार सिंह को 13 मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। यूनियन ने राज्य सरकार की भावांतर भुगतान योजना का विरोध करते हुए इसे किसानों के हितों के खिलाफ बताया। ज्ञापन सौंपने के दौरान कोतवाली टीआई गौरव चाटे और किसान यूनियन के जिला प्रवक्ता लोकेश सिंह पटेल के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। हालांकि, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और अन्य किसानों ने स्थिति को संभाल लिया। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। संगठन ने सोयाबीन और मक्का को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग की। किसानों ने भावांतर जैसी योजनाओं को गलत बताते हुए इनसे बचने की अपील की।

सोयाबीन का सर्वे कराने की मांग

ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है कि यूनियन ने बताया कि जिले के कई गांवों में अतिवृष्टि के कारण सोयाबीन और मक्का की फसलों को 75 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है। कृषि विभाग ने अब तक कोई सर्वे नहीं किया है। संगठन ने जल्द सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की। ज्ञापन में वड़गुंवा खंडसारी फैक्ट्री के गन्ना किसानों के बकाया भुगतान को जल्द निपटाने की भी मांग की गई। यूनियन ने कहा कि नरसिंहपुर प्रदेश का प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्र है, फिर भी सरकार ने गन्ना खरीदी की रिकवरी आधारित कानून नहीं बनाया है।

पशुओं से हो फसलों की रक्षा

संगठन ने गन्ना उत्पादक किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए यह कानून जल्द लागू करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, किसानों ने डीएपी और यूरिया की कमी, बेसहारा पशुओं से फसलों के नुकसान, नहरों की समय पर सफाई, कृषि पंपों के मनमाने एचपी निर्धारण और जर्जर बिजली पोलों की मरम्मत जैसी समस्याओं पर भी चिंता व्यक्त की। संगठन ने जिले में कृषि पंप योजना को जारी रखने और बिजली रखरखाव के लिए आवंटित 287 करोड़ रुपए के प्रभावी उपयोग की मांग की। भावांतर योजना का पुरजोर तरीके से विरोध करता है। पशुओं व सुअर से हो रहे नुकसान का मूल्यांकन कर उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों के तुरंत कार्यवाही कि जाए।

नहरों की हो मरम्मत

ज्ञापन मे बताया गया है कि नहर विभाग आगामी सीजन के लिए 2025-2026 के लिए जो भी नहरों की मरम्मत व साफ सफाई के कार्य है उन्हें समय रहते पूर्ण किया जाए। जिससे किसानों को जल वितरण में किसी भी प्रकार का अवरोध न हो। विद्युत विभाग द्वारा जो मी कृषि पंपों के मनमाने तरीके से बढ़ाये गए हैं किसान के आवेदन भर पुनः मूल्यांकन कर उनी ठीक किया जाए एवं जर्जर स्थिति में खड़े पोल लाईन को बदला जाए। खेत-सड़क योजना पुनः चालू की जाये, जिससे कृषि कार्यों में किसान को सुविधा हो। सी.एम. कृषि पम्प योजना में कनेक्शन दिये जा रहे हैं सुचारू रूप से क्रियांबवन में लाया जाये। विद्युत विभाग को जिले में मेटेनेश के लिए अनुमानित राशि 287 करोड़ रुपये आवंटित हुई है जिसका काम अग्रवाल पॉवर कमानी को मिला है। किसानों के आवेदन पर उनके खच्चों व तारो को प्राथमिकता से विद्युत विभाग द्वारा समस्या का निराकरण किया जाये।

शिकायतों के बाद भी कार्रवाई शून्य

प्रशासक पर लगे आरोप, परेशान हो शिकायतकर्ता

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा किसानों को खुशहाल बनाने के लिए अनेकों योजनाएं चलाई जा रही है। योजनाओं के संचालन का लक्ष्य है कि किसान को किसी प्रकार परेशानी का सामना ना करना पड़े लेकिन धरातल मे ऐस नही है। सरकार की योजनाओं पर अधिकारी कर्मचारियों द्वारा पलीता लगाने के लिए तुले हुए है। जिले के अनेकों किसान प्रशासन के कर्मचारियों की कार्यप्रणाली के कारण परेशान बने हुए है ऐसा ही मामला सामने आया जिसमें किसान द्वारा कलेक्टर के नाम शिकायत की गई। चंदपुरा निवासी किसान शारदा सेन द्वारा कलेक्टर के नाम दी गई शिकायत मे बताया गया है कि वर्ष 2018-19 में 7.50 क्विंटल मसूर बेची थी। जिसकी राशि 31875 रूपए का भुगतान होना था। मार्च 2021 राशि खाते में डाली गई लेकिन किसी कारण वस राशि खाते से वापस हो गई। कागजी प्रक्रिया को पूर्ण कर अभी तक राशि नही डाली गई। बीते चार वर्ष से अनेकों बार कार्यालय के चक्कर लगा चुका हूं। प्रबंधक द्वारा कहा जाता है कि प्रशासक द्वारा राशि डाली जावेगी और अभी प्रशासक नही है गोटेगांव जाते है गुरूवार शुक्रवार को मिलेगे। ऐसा कई बार हो चुका है। समिति के चक्कर लगा कर परेशान हो रहा हूँ। उक्त संबंध में समिति के प्रशासक संजय दुबे से मुलाकात की तो उनके द्वारा पैसे डालने के एवज मे 5 हजार रूपए की राशि की मांग की जा रही है। वही दूसरी शिकायत मे पीड़ति द्वारा बताया गया है कि प्रशासक द्वारा सेवानिवृत्त होने के बाद सुरक्षा निधि की राशि देने में आनाकानी की जा रही है। जिसे लेकर पीड़ति कर्मचारी द्वारा कलेक्टर के नाम शिकायत दी गई। शिकायत के बाद भी प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नही की गई। प्रशासन को चाहिए की ऐसे प्रशासनिक अधिकारी पर ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। पीड़ति ने शिकायत मे बताया है कि वह प्रबंधक के पद से विगत वर्ष सेवानिवृत्त हो चुका है लेकिन वर्तमान प्रशासक द्वारा सुरक्षा निधि की राशि रोक दी गई।

इनका कहना है

उक्त संबंध मुझे जानकारी नहीं है यदि शिकायत हुई है तो ठोस कार्रवाई की जावेगी।

श्रीमती रजनी सिंह, कलेक्टर

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ ने मनाया स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ की जिला शाखा द्वारा संघ के 47वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में संगठन के जिला संरक्षक गजेन्द्र नायक संभागीय सचिव प्रदीप पटेल जिलाध्यक्ष संजय लमानिया सचिव भीकम सिंह कौरव कोशाध्यक्ष आर.आर. अवस्थी, की उपस्थिति में मनाया गया। कार्यक्रम के आरंभ में भगवान विश्वकर्मा, भारत माता स्व. दंतोपंत ठेंगडी जी के पूजन-अर्चन के साथ हीं तहसील अध्यक्ष करेली धर्मेन्द्र चैसरिया द्वारा संगठन गीत प्रस्तुत किया गया। सभी पदाधिकारियों द्वारा संगठन की महत्ता एवं संगठन के उदेश्य, संघ की रीति-नीति राश्ट्रहित, प्रदेषहित, कर्मचारी हित पर विस्तृत प्रकाश डालते हुये अपने उद्बोधन में जिला शाखा की सक्रियता एवं कर्मचारी हित में तत्परता से निर्णय लेने को सराहा गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में जिले की सभी तहसीलों एवं विकासखण्डों से उपस्थित पदाधिकारी सर्व मुकेश दुबे, संतोश सोनी, बी.पी. शर्मा, अषोक कौरव, राम नारायण सिंह रघुवंशी, सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार तहसील अध्यक्ष नरसिंहपुर दिनेश परतेती द्वारा किया गया।

राष्ट्र चिंतन के साथ सुचिता सेवा समर्पण का भाव लेकर काम करता है संघ

तेंदूखेड़ा। आज देश में निजी स्वार्थों को लेकर आकंतवाद मतांतरण नक्सलवाद धर्मांतरण को बढ़ावा देने देश को बांटने और झूठ परोसने का काम कुछ लोगों द्वारा किया जा रहा है। लेकिन राष्ट्र चिंतन के साथ सुचिता सेवा समर्पण का भाव लेकर काम करने वाला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगा।संघ का स्वयं सेवक किसी बैनर झंडे तले काम नहीं करता बल्कि संघ की विचारधारा को लेकर काम करने वालों के प्रति सम्मान सहयोग जरुर करता है। उक्त विचार तेंदूखेड़ा के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में एकत्रित स्वयंसेवको के द्वारा एक विशाल पथ संचलन के पूर्व बौद्धिक कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में सह प्रांत कार्यवाह विनोद नेमा के द्वारा विस्तार से चर्चा की गई।इस मौके पर तहसील सह संघचालक दीपक राव शेकटकर तथा वरिष्ठ गायत्री परिजन डा एन एस पटेल प्रमुख रुप से मंचाशीन रहे।आर एस एस के शताब्दी वर्ष मनाये जाने और वर्ष 1925 से एक छोटी सी संख्या से नागपुर से शुरू हुई संघ की यात्रा पर काफी विस्तार से जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि आज हिन्दू समाज की रक्षा करने वाला विश्व का सबसे बड़ा संगठन बन गया है।सह प्रांत कार्यवाह ने बताया कि भारत भूमि देव भूमि है जहां स्वयं शिव राम कृष्ण से लेकर आदिशक्ति ने इस धरती पर अपनी लीलायें की। और सत्य सनातन परंपराओं के निर्वहन को लेकर हमारे ऋषि मुनियों संतों ने साधना करते हुए हिंदू समाज धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए जनजागरण किया। देश को वैभवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में और मुगलों अंग्रेजों विदेशी ताकतों से छुटकारा पाने के लिए 1885 में कांग्रेस का नाम देकर एक मंच बनाया जिसमें देश के लगभग सभी विचारधाराओं को समाहित किया गया लेकिन यह मंच अपने उद्देश्य से भटक गया।1914 में प्रथम विश्व युद्ध खिलाफत आन्दोलन के बाद एक प्रश्न खड़ा हुआ तथा एक डाक्टर की उपाधि लेकर बैठे छोटे से सहज व्यक्तित्व ने समाज की डाक्टरी का बीड़ा उठाया और 1925 में इसका बीजारोपण किया जो वर्ष आज विशाल बट वृक्ष का रुप धारण कर चुका है।अपनी शाखा कार्य पद्धति के माध्यम से बड़े लक्ष्य की साधना के साथ 36 अनुशांगिक संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है।श्री जेमा ने 1948 में कम्युनिस्टों द्वारा लगाये गये प्रतिबंध से लेकर 1964 में गोवा में तिरंगा लहराने 1975 में आपातकाल स्थिति से निपटने जेल जाने 1989 में राम शिलायें घर घर ले जाने 1992 में बाबरी मस्जिद गिराने और 22 जनवरी 1924 को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम को उनके मूल स्थान पर विशाल मंदिर में विराजमान करने के संकल्प तक की यात्रा को काफी विस्तार से रखा।

मुख्य सड़क मार्गों पर पुष्प वर्षा और हर चौराहे पर भारत माता की सजीव झांकियां सजाई

देश प्रेम की अटूट भावना के साथ एक विशाल स्वयं सेवकों के समूह ने कतारबद्ध चलते हुए भारत माता की सजीव झांकियो और परमपूज्य गुरुजी डा हेडगेवार जी के चित्र के साथ लगभग आधा किलोमीटर से भी ज्यादा लंबा पथ संचलन के दौरान नगर के मुख्य मार्गों पर श्रद्धा भाव के साथ महिला पुरुषों बच्चों विभिन्न सेवा भावी संगठनों ने पुष्प वर्षा की। वहीं नगर के मुख्य चौराहों पर विभिन्न संगठनों द्वारा भारत माता की सजीव झांकियां सजाई गई थी जो जनाकर्षण का केंद्र बनीं हुई थी। राष्ट्र चिंतन भारत को विश्व गुरु बनाने की संकल्प शक्ति के साथ पथ संचलन का समापन हुआ।

सप्तशक्ति संगम नामक महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ

गोटेगांव। नगर के शैक्षणिक संस्थान सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज प्रमुख बिंदुओं पर पत्रकार वार्ता आयोजित की गई।समाज परिवर्तन के ध्येय को लेकर पिछले 73 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान ने अब राष्ट्रव्यापी स्तर पर 'सप्तशक्ति संगम' नामक महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ किया है। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय नारी की अन्तर्निहित शक्तियों को जाग्रत कर उन्हें परिवार, समाज एवं राष्ट्र के विकास में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है।

विद्या भारती के अंतर्गत देशभर में

'सप्तशक्ति संगम' ऐसी अखिल भारतीय योजना है, जो महिलाओं का, महिलाओं के लिए महिलाओं के द्वारा व्यापक स्तर पर क्रियान्वित होने वाली है। इस राष्ट्रीय अभियान के तहतः-75 लाख से अधिक महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए

'सप्तशक्ति संगम' का नाम श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक 'कीर्तिः श्रीवाक् च नारीणां स्मृतिर्मेधा धृतिः क्षमा' (कीर्ति, श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा) से प्रेरित है, जो नारी की सात दैवीय शक्तियों को इंगित करता है। यह संगम इन शक्तियों को जाग्रत कर, एक सशक्त, संस्कारी और समृद्ध भारत के निर्माण का संकल्प है

'सप्तशक्ति संगम' का आयोजन मात्र एक कार्यक्रम न होकर, यह भारतीय जीवनशैली,ज्ञान परंपरा, सनातन के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक वैचारिक क्रांति है। इसके मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

मातृशक्ति का आत्मगौरवः महिलाओं का आत्मगौरव बनकर समाज एवं देश के कल्याण के कार्यों को प्रेरणा देना।कुटुंब प्रबोधन एवं जीवनशैलीः सप्तशक्ति संगम के माध्यम से कुटुंब प्रबोधन (परिवार के प्रति जागरूकता) एवं पर्यावरण हितैषी जीवनशैली को भारतीय दृष्टि देना। विकास में दायित्व बोधः भारत के विकास में महिलओं के दायित्व बोध को जाग्रत करना। सामाजिक पंच-परिवर्तनः सामाजिक पंच-परिवर्तन पर आधारित करणीय कार्यों को करने की दिशा देना। प्रत्येक 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम में तीन प्रमुख विषयों पर प्रस्तुति दी जाएगी, जिसके उपरान्त समूह चर्चा और संकल्प होंगेः विषय प्रस्तुतिः भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति का गौरवपूर्ण स्थान और वर्तमान चुनौतियों में उनकी भूमिका। प्रेरणादायी महिलाओं के सन्देशः विशिष्ट एवं प्रेरणादायी माताओं का सम्मान तथा उनके अनुभव कथन। सामूहिक संकल्पः विशेष रूप से कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण हितैषी जीवनशैली पर आधारित 8 संकल्पों पर माताओं का प्रबोधन एवं सामूहिक संकल्प। सप्तशक्ति संगम में सावित्रीबाई फुले, स्वामी विवेकानन्द, भगिनी निवेदिता, महादेवी वर्मा और ऐनी बेसेन्ट जैसी महान विभूतियों के उन विचारों को भी रेखांकित किया जाएगा, जिन्होंने भारतीय नारी को उसके गौरवपूर्ण आसन पर प्रतिष्ठित करने का आह्वान किया है। वन्दनीया लक्ष्मी बाई केलकर के अनुसार, ₹स्त्री वह प्रेरक शक्ति है जो व्यक्ति के रूप में परिवार की और समाज के रूप में राष्ट्र की चेतना बनती है।₹ सावित्रीबाई फुले ने कहा था, ₹एक महिला को सशक्त बनाएं। आप पूरे समुदाय का उत्थान करते हैं।₹

'सप्तशक्ति संगम' में सहभागिता करने वाली हर महिला 'पंच-परिवर्तन' (पाँच संकल्प) के माध्यम से अपनी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लेगी। इन संकल्पों के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं: पंच-परिवर्तन (जीवनशैली संकल्प) संस्कृति एवं आध्यात्मिकताः घर में अग्निहोत्र करना, सायं को गाय के घी का दीया जलाना, और तुलसी का पौधा लगाना। पर्यावरण संरक्षणः गृहवाटिका में गोबर और जैविक खाद का उपयोग करके नित्य उपयोग की शाक-भाजी और फूलदार पौधे उगाना। सामुदायिक सद्व्यवहारः अतिथियों अथवा परिवारजनों को आयु वर्ग अनुसार उचित संबोधन (काका, भामी, मौसी) देना और बच्चों को भी इसका अभ्यास कराना। राष्ट्रीय चेतना एवं नागरिक बोधः राष्ट्रीय पर्वों को उत्साह से मनाना, राष्ट्रध्वज और प्रतीकों का सम्मान करना, तथा पानी, बिजली, कर (**Tax**) आदि समय पर चुकाना। सामाजिक शुचिताः सामाजिक संचार माध्यमों पर अप्रामाणिक एवं भ्रामक जानकारी न देना और न ही फैलाना। उक्त कार्यक्रम रामायण कवि वाल्मीकि के जन्म जयंती पूर्णिमा पर शुभारंभ दीप प्रज्वलन सेवा जिसमें स्नेह लता श्रीवास्तव तुलसा नामदेव आरती पटेल सविता राजपूत नीतू नेमा सरस्वती शिशु मंदिर गोटेगांव में दोपहर 12:00 बजे आयोजित हुआ वही इस पत्रकार वार्ता में जिला संयोजिका स्नेहलता श्रीवास्तव सविता राजपूत तुलसा नामदेव नीतू नेमा आरती पटेल की संबोधित किया अध्यक्ष हाकम सिंह चढ़ार व्यवस्थापक राजकुमार जैन प्रधानाचार्य नर्मदा गुप्ता प्रभारी प्राचार्या संतोष बैंन उपस्थित थे।

सिंदूर नदी में मगर, ग्रामीणों में दहशत

तेंदूखेड़ा। ग्राम पंचायत मदनपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम टपरिया टोला में सिंदूर नदी में बड़े बड़े मगरों के कारण लोगों में दहशत का वातावरण बना हुआ है। लोगों नदी किनारे तक नहीं जा पा रहे हैं। साथ ही मवेशियों को आने जाने में परेशानी बनीं हुई है। लोगों का कहना है कि वारिस के दौरान यहां पर एक मगर आ गया था लेकिन अब इनकी संख्या में ज्यादा बढ़ोतरी हो गई है। विगत वर्ष यहां पर एक मछली पकड़ने गये युवा पर हमला कर दिया है जो बाल बाल बचा था फिर भी उसका पैर ख़राब हो गया था।साथ ही कुछ मवेशियों को भी अपना निवाला बना चुके हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि सुरक्षा की दृष्टि से यहां पर तत्काल प्रभाव से सांकेतिक बोर्ड या जाली लगाई जाये।हमारे प्रतिनिधि को डिप्टी रेंजर प्रभात पटेल ने बताया कि इस दिशा में काम चल रहा है यहां पर एक फ्लेक्स भी लगाया जा रहा है और मुनादी के माध्यम से लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। चूंकि मगर एक नहीं ज्यादा संख्या में हैं और काफी लंबे समय से हैं उन्होंने यहां पर अपना निवास बना लिया है। सुरक्षा की दृष्टि से हर विंदू पर पहल की जा रही है।

भावांतर भुगतान योजना को लेकर जन-जागरण रैली

तेंदूखेड़ा। शासन द्वारा सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी देने के लिए कृषि उपज मंडी परिसर से नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई एक वाहन रैली मदनपुर मर्रावन ढिलवार रम्पुरा गुटोरी बरकुंडा डोभी इमझिरा ईश्वरपुर कावरकोना पहुंची जहां शासन द्वारा चलाई जा रही इस योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।रैली को कृषि विस्तार अधिकारी बी एम साहू मंडी निरीक्षक विनोद अग्रवाल एवं व्यापारियों कृषकों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भ्रम में न पड़ें सनातनी, 20 अक्टूबर को मनाएं दीपावली पर्व

परमहंसी गंगा आश्रम के पंडित सोहन शास्त्री ने दीपावली के संदर्भ में बताया कि काशी के हृषिकेश पंचांग के अनुसार 20 अक्टूबर को चतुर्दशी तिथि दिन के 2 बज कर 55 मिनट तक है इसके पश्चात अमावस्या तिथि आ रही है जो कि 21 अक्टूबर मंगलवार को दिन के 4 बजकर 26 मिनट तक है । 21 को एक घटी भी अमावस्या प्रदोषकाल में व्याप्त नहीं है। प्रदोष व्यापिनी अमावस्या 20 अक्टूबर को ही है, इसीलिए दीपमालिका महापर्व (दिवाली) को 20 अक्टूबर को मनाना ही श्रेयष्कर है।क्योंकि पूर्ण प्रदोष काल व्यापिनी तिथि 20 अक्टूबर को ही प्राप्त हो रही है तथा 21 अक्टूबर को तीन प्रहर से अधिक अमावस्या और साढ़े तीन प्रहर से अधिक वृद्धि गामिनी प्रतिपदा के होते हुए भी उक्त व्रत के पारणा का काल प्राप्त नहीं हो रहा है जो कि दिवाली पर लक्ष्मी पूजन का एक आवश्यक अंग है। इसलिए विभिन्न धर्म ग्रंथों शास्त्रीय सिद्धांतों का अनुशीलन करते हुए समस्त सनातनियों को चाहिए कि वह भ्रम में न पड़कर एकसूत्रीय एक ही दिन 20 अक्टूबर दिन सोमवार को अपना दीपावली पर्व अलक्ष्मी की निवृत्ति और लक्ष्मी की प्राप्ति हेतु हर्षोल्लास के साथ मनाएं ।

पति के साथ घूमने आई महिला का बेटे समेत अपहरण?

शादी डॉट कॉम के जरिए कुछ समय पहले ही हुआ था विवाह, महिला की तलाश करने गुजरात भेजी टीम

गोटेगांव जबलपुर के गढ़ा क्षेत्र से पति के साथ बाइक पर अपने दो वर्षीय बेटे के साथ घूमने आई 23 वर्षीय महिला का बेटे के साथ अपहरण होने का मामला सामने आया है। पति की शिकायत पर पुलिस ने पहले गुमइंसान फिर उसके बाद अपहरण की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। घटनाक्रम बीते 5 अक्टूबर का बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जो महिला अपहत कही जा रही है उसने कुछ दिनों पहले ही शादी डॉट कॉम के जरिए दूसरा विवाह किया था। पुलिस टीम महिला व बालक की तलाश करने गुजरात रवाना हुई है। घटनाक्रम में पुलिस ने बताया कि जबलपुर गढ़ा निवासी आकाश पिता कन्हैयालाल शर्मा 28 ने बताया है कि वह अपनी 23 वर्षीय पत्नी नेहा और उसके दो वर्षीय बेटे के साथ झौंतेश्वर क्षेत्र में आया था। ग्राम रामनिवारी के पास दो अज्ञात लोगों ने उसकी पत्नी व बेटे का अपहरण कर लिया। मामले में पहले पुलिस ने गुमइंसान के तहत फिर धारा 140,3 के तहत मामला कायम करने के बाद अंत में अपहरण की धारा ₹६५ के तहत मामला दर्ज किया है। नेहा मूलरूप से गोरखपुर उत्तरप्रदेश निवासी है। जिसका पहले भी विवाह हुआ था और आकाश से उसका दूसरा विवाह था। संभावना व्यक्त की जा रही है कि उसका कोई परिचित ही उसे लेकर गया है। पुलिस ने तकनीकी माध्यमों के आधार पर साक्ष्य जुटाते हुए एक टीम को गुजरात भेजा है। पुलिस का कहना है कि जब नेहा शर्मा का पता चलेगा तब ही इस घटना की वास्तविक स्थिति से पर्दा हटेगा कि उसका अपहरण हुआ है या फिर वह अपनी मर्जी से गई है।

इनका कहना

मामला जांच में है, उप्र की महिला का कुछ दिनों पहले ही शादी डॉट कॉम के जरिए जबलपुर में विवाह हुआ था। एक टीम तलाश में बाहर भेजी है।

मनीष त्रिपाठी, एसडीओपी गोटेगांव